राहु ग्रह के कारकत्व

राहु ग्रह के कारकत्व अर्थात वे विशेष कारण या विषय वस्तुएं आदि जिनसे हम उस समय पूरी तरह प्रभावित होते हैं, जिस समय हम राहु ग्रह की दशा, गोचर, योग और अवस्था आदि में पूरी तरह प्रयत्नशील रहते हैं या उस आयु अवस्था आदि पर पहुंच जाते हैं, राहु ग्रह के वे सभी विशेष प्रभावित करने वाले तत्व निम्न प्रकार से हैः-

भटकाव, कठोर वाणी, जुआ, ठगी, धोखा, कुतर्क, संचय, कुशल, भ्रम, उलझन, यात्रा पर्यटन, बुढ़ापा, वाहन, वायु व दमा रोग, बेहोशी के दौरे, कारावास, अनेकों भाषाएं, वैर विरोद्ध, चुगली करना, छल कपट, अपंगता, मिरगी, अपच (कब्ज), कुष्ठ रोग, क्षय रोग, चेचक, वृद्ध जनों का कारक, पाखण्डमति, झूठ बोलना, बुद्धिहीन, गति शीलता, यात्राएं, सांप का काटना, शंकाओं, चोरी, शेयर बाजार, दुष्टता, त्वचा की बीमारियां, खुजली, फोडे-फुन्सी, विदेश, वैराग्यकारक, शरीर में सूजन, धार्मिक तीर्थ यात्रा, दादा, छाया, अन्धेरा, क्लेश, दुर्घटना, बाधा, कौआ, गंदगी, लॉटरी, घुडदौड़, इंटरनैट, नशा, तम्बाकू, चमत्कार, तंत्र विद्या, समुद्र पार की यात्रा, चालाकी, संकीर्ण सोच आदि।